Title: Request the Government to allow prayer (Namaz) by the Muslims on Friday in Taj Mahal at Agra.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आगरा में पर्यटकों का आना निरंतर कम हो रहा है। वहां जो विश्व प्रसिद्ध इमारत ताजमहल है, उसका टिकट विदेशी पर्यटकों के लिए 960 रुपए और देशी पर्यटकों के लिए 120 रुपए कर दिया गया है। दुनिया के किसी भी स्मारक पर टिकट के रेट में ऐसा भेदभाव नहीं है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि जब पर्यटकों की संख्या गिरती जा रही है तो वहां के होटल व्यवसाय, हस्तकला में लगे लोग काफी परेशानी में आ गए हैं। 1960 से पहले ताजमहल में कोई टिकट नहीं था। दिलीप कुमार की फिल्म लीडर की शूटिंग वहां हुई थी, तब 25 पैसे टिकट लगा था। फिर उसको बढ़ा कर 50 पैसे कर दिया गया। अब 960 रुपए कर दिया गया है।

1219 बजे (उपाध्यक्ष महोदय <u>पीठासीन हुए)</u>

जितनी मुगल कालीन इमारतें थीं, ताजमहल को छोड़ कर बाकी सबमें जो मस्जिदें थीं, उनमें नमाज पढ़ने पर पाबंदी लगा दी गई है। शुक्रवार के दिन ताजमहल में किसी प्रकार का टिकट नहीं लगता था, क्योंकि वहां नमाज पढ़ी जाती थी। लेकिन विगत तीन शुक्रवारों से वहां तनाव बना हुआ है, क्योंकि उस दिन भी टिकट लगा दी गई, जिससे नमाज पढ़ने में एक तरह से पाबंदी सी लग गई है। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि वहां के लोकल विकास प्राधिकरण जो हैं, उनकी काफी दखलअंदाजी हो गई है। इसलिए मेरा निवेदन है कि शुक्रवार को जो टिकट लगाया गया है, वह न लगाया जाए, जिससे लोगों को नमाज पढ़ने में आसानी हो।

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, my support to the submission be recorded. That is all.